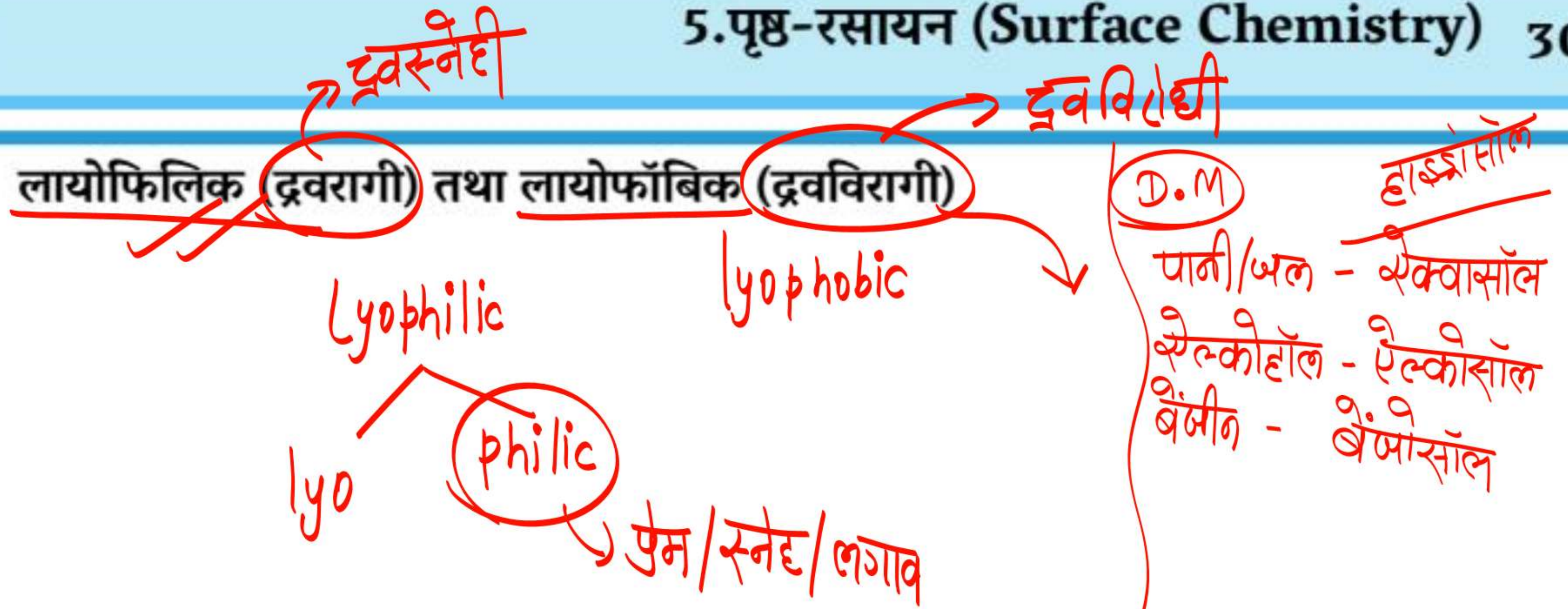


DP & DM

परिक्षेपित प्रावस्था और परिक्षेपण माध्यम के भौतिक अवस्था के आधार पर

परिक्षिप्त प्रावस्था	परिक्षेपण माध्यम	प्रकार	उदाहरण
द्रव	गैस	ऐरोसोल	कोहरा, बादल, कुहासा
ठोस	गैस	ऐरोसोल	धुआँ, स्वचालित वाहन का निधार (exhaust)
गैस	द्रव	फ़ोम	शेविंग क्रीम
द्रव	द्रव	इमल्शन	दूध, फ़्रेस क्रीम
ठोस	द्रव	सोल	मैगनेशिया-मिल्क, कीचड़
गैस	ठोस	फ़ोम	फ़ोम, रबड़, स्पंज, प्यूमिस
द्रव	ठोस	जैल	जेली, पनीर, मक्खन
ठोस	ठोस	ठोस सोल	रंगीन रत्न पत्थर, दूधिया काँच



**द्रवस्नेही** :- वेसा कौबोइडी विभयन जिसमें परिक्षेपित प्रावस्था (विलेय) को परिक्षेपण माध्यम (विलायक) के प्रति ज्यादा आकर्षण हो, तो उसे द्रवस्नेही सॉल्व्स कहते हैं।

**द्रवविरोधी** :- जैत :- गोंद, स्टार्च, जिलेटीन, खर, पीवीन

**द्रवविरोधी** :- जैत :- जीव्य सॉल, सल्फर सॉल, आर्सेनिक सल्फाइड सॉल

<u>लायोफॉबिक सॉल</u>	<u>लायोफिलिक सॉल</u>
1. इसका स्कंदन <u>अनुक्रमणीय</u> होता है।	जबकि इसका स्कंदन <u>उत्क्रमणीय</u> होता है।
2. <u>ये अल्ट्रा माइक्रोस्कोप द्वारा आसानी से देखे जा सकते हैं।</u>	जबकि <u>ये अल्ट्रा माइक्रोस्कोप द्वारा भी आसानी से नहीं देखे जा सकते।</u>
3. <u>इसकी श्यानता प्रायः परिक्षेपण माध्यम के बराबर होता है।</u>	जबकि इसकी श्यानता परिक्षेपण माध्यम से बहुत अधिक होता है।
4. <u>ये टिंडल प्रभाव दिखाते हैं।</u>	जबकि <u>ये टिंडल प्रभाव नहीं दिखाते</u>
5. <u>ये अस्थायी होते हैं।</u>	जबकि <u>ये स्वतः स्थायी होते हैं।</u>

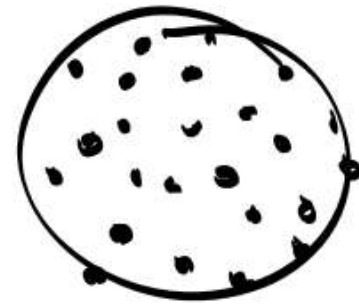
इसे (विलायक)

विक्षेपित कणों के प्रकार के आधार पर (पेज संख्या-136)

- (1) बहुआण्विक कोलाइड
- (2) ~~वृहत आण्विक कोलाइड~~
- (3) ~~संयोजित कोलाइड~~

अदृश्यी कोलाइड

क्राफ्ट ताप (KT)



S<sub>2</sub>

CMC

क्रांतिक मिश्रण सांद्रण  
 वैद्युत अपघटन

साबुन की क्रांतिक  
 (CMC)

कोलाइडी कण

1nm - 1000nm

10<sup>-4</sup> - 10<sup>-3</sup>  
 mol/L

सांद्र (निम्न सांद्रण)

सांद्र (उच्च सांद्रण)

कोलाइड

मिसेल्स

पानी (ध्रुवीय)

